



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Prayag Hansrajbhai Ghoniya

Donated his : Heart, Lungs, Kidney, Liver & Corneas

Date:- 16/11/2021

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Sudan man to go back home with Indian lungs

Donation from 24-yr-old Surat man leads to 16th lung transplant from Guj, 2nd to a foreign national

| Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com

TWEETS @ahmedabadmirror

The organ donation by the family of a 24-year-old youth in Surat would give new life to seven Indians and a foreign national.

Prayag Hansraj Ghoniya, the son of a garment merchant in Dindoli area of Surat, was on his way back home from Mumbai with friends in a car earlier this month when they ran into a road divider after a tyre burst. This caused serious injuries to his head and spine.

They were moved to a local government hospital in Vapi and later to a private hospital in Surat for further treatment.

There, blood clots were discovered in his brain and he was operated for the same on November 14.

However, the next day, on November 15, he was declared brain dead by a panel of doctors. The hospital contacted Donate Life NGO who counselled the family for organ donation who consented for the same.

Prayag's heart was transplanted into a patient at CIMS Hospital in Ahmedabad. This was the 20th intra-state heart transplant in Gujarat. Meanwhile, 32 hearts donated in the



Prayag Ghoniya met with an accident early this month; he was declared brain dead on Nov 15

state have been transplanted in patients from other states.

Prayag's lungs were transplanted into a Sudan national at MGM Hospital in Chennai after no Indian patient with B +ve blood group was found for transplantation. This was the 16th lung donation from Gujarat and the second to a foreign national.

One each of his kidneys were transplanted at CIMS and Zydus Hospitals in Ahmedabad. His eyes were donated to Lokdrashti Eye Bank. His liver was transplanted into a patient at the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) in Ahmedabad.



Young Surat businessman's organs save many lives

TIMES NEWS NETWORK

Surat: A 23-year-old man from Surat, who was declared brain dead after an accident, has infused lives into several people on the deathbed.

Prayag Ghoniya, a resident of Dindoli engaged in sari business, met with an accident while returning from Mumbai in a car with his friend on November 7.

After the treating doctors declared him brain dead, NGO Donate Life consulted his parents who immediately agreed to give away his heart, liver, kidney, corneas and pair



Kin of Prayag Ghoniya (inset) who died in an accident

of lungs that were donated to different patients across the country. This was the 38th heart and 12th pair of lungs donated from Surat with help of Donate Life, which works actively for organ

donation.

His lungs were donated to a 23-year-old man in Chennai hospital and the liver was donated to a patient in Ahmedabad-based Institute of Kidney Diseases and Research (IKDRC).



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

एकसीडेंट में गंभीर चोट लगने से 23 वर्षीय प्रयाग धोनिया हुए ब्रेनडेड, परिवार ने 7 अंगदान किए

लेउवा पटेल समाज के प्रयाग का दिल भुज की युवती में घड़का, फेफड़े सूडानी युवक में लगे

सिटी रिपोर्टर | सूरत

लेउवा पटेल समाज के ब्रेनडेड 23 वर्षीय प्रयाग हंसराज धोनिया के परिवार ने बेटे का हृदय, फेफड़े, किडनी, लीवर और नेत्रदान कर सात लोगों को नई जिंदगी और रोशनी देकर समाज में मानवता की महक फैलाई है।

प्रयाग का दिल सूरत से 276 किमी दूरी 110 मिनट में तय कर अहमदाबाद पहुंचाया गया। जहां भुज निवासी 29 वर्षीय युवती में हार्ट ट्रांसप्लान्ट किया गया। जबकि फेफड़े 1610 किमी की दूरी 210 मिनट में तय कर चेन्नई पहुंचाए गए। जहां मूल सूडान की नागरिकता वाले 23 वर्षीय युवक में फेफड़े ट्रांसप्लान्ट किए गए। वहाँ दो में से एक किडनी अहमदाबाद की 35 साल की महिला और दूसरी किडनी भावनगर की 30 साल की महिला में ट्रांसप्लान्ट

अंगदान: सूरत से अब तक 38 हृदय और 12 फेफड़े दान हो चुके



प्रयाग के ब्रेन की खबर मिलते ही डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और प्रयाग के परिवार को अंगदान के महत्व और प्रक्रिया समझायी। प्रयाग के पिता हंसराज और माता रमाबेन ने बताया कि जो जीवन था वह हो गया। हमारे बेटे की मृत्यु निश्चित है। अंगदान से अंग निष्क्रियता के मरीजों को नया जीवन मिलेगा। इसके साथ ही परिवार ने बेटे के अंग दान करने के लिए सहमति दे दी। डोनेट लाइफ के पदाधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही सूरत से अब तक 38 हृदय और 12 जोड़े फेफड़े दान किए जा चुके हैं। इसी तरह संस्था के प्रयास से अब तक 412 किडनी, 175 लिवर, 8 पैंक्रियाज, 316 नेत्र मिले हैं। कुल 973 अंग दान हो चुके हैं।

की गई। लिवर अहमदाबाद के 35 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लान्ट किया गया।

डिडोली के करडवा गंव स्थित श्रीदेशन रोहडुस और अनिलाइन साड़ी का कारोबार करने वाले प्रयाग 7 नवबर को अपने दोस्तों के साथ मोटरकार से मुंबई से सूरत लौट रहे थे, तभी चारोंटी के पास

टायर फटने से कार डिवाइलर में टकरा गई है। इससे प्रयाग के सिर और गीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। प्रयाग की बापी के हारिया अस्पताल और वहाँ से सूरत के युनिटी अस्पताल में डॉ धबल पटेल की देखरेख में इलाज शुरू हुआ। सीटी रैकेन से परिवार के साथ सूजन और रक्त के थक्के

के साथ-साथ रीह की हड्डी में फैक्टर का पता चला। उसके बाद प्रयाग की तबीयत और गंभीर हो गई। एमआरआई में दिमाग में लकवे का असर दिखा। 14 नवबर को डॉ. धबल पटेल ने क्रियोटोपी कर मर्सिक की सूजन दूर की। 15 नवबर को डॉक्टरों ने प्रयाग को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

ब्रेन डेड युवक के अंगदान से 7 व्यक्ति को मिला नया जीवन

बीओटी संवाददाता

सूरत, 17 नवम्बर

टेक्सटाइल और अप्पमैड सॉल्टी के लोग पहचाने जाने वाला सूरत शहर देश में जब ऑपरेटर के दीर पर अपना नाम जुमार कर रहा है। शहर के 23 वर्ष के ब्रेन डेड युवक प्रयाग धोनिया के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से अपने लाइफ पुत्र के हृदय, फेफड़े, किडनी, लीवर और आंखों का दान कर 7 व्यक्तियों को नया जीवन प्रदान किया है। फेफड़े का ट्रांसप्लान्ट सूडान की नागरिकता वाले 23 वर्षीय युवक में किया गया था।

प्रयाग डिडोली में रहता था और ऑपरेटर साड़ी की बीक्री के व्यवसाय से जुड़ा हुआ था। 7



नवम्बर के दिन मुर्बई से अपने मित्रों के साथ कार में मुरत आ रहा था उस दौरान चारोंटी के पास टायर फटने पर दुर्घटना घटी। शीर्षमें प्रयाग को गंभीर चौंट के साथ इलाज के लिए दुर्घटना किया गया था। अस्पताल में दाखिल किया गया था। फेफड़े का ट्रांसप्लान्ट सूडान के युवक में भेजा गया था।

परिवार को अंगदान का महत्व समझने पर धरियार ने आम लाइफ पुत्र का अंग दान किया। जिसमें धरियार को गंभीर चौंट के साथ इलाज के लिए दुर्घटना किया गया था। अस्पताल में दाखिल किया गया था। फेफड़े का ट्रांसप्लान्ट सूडान की बीक्री की बाबत अस्पताल की 25 वर्षीय महिला

हृदय में सूरत ही एक शहर है कि जहाँ से 38 हृदय, 12 जोड़े फेफड़े अलग अलग शहरों में कामयादी या चार्टर एयर के व्यवसाय से भेजे गये हैं।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



सड़क दुर्घटना में ब्रेनडेर हुए प्रयाग के अंगदान से सात लोगों को दी नई जिंदगी

कार से मुंबई जा रहे प्रयाग गाड़ी का टायर फटने से हुए थे चोटिल, मस्तिष्क में सूजन और रक्त के थकके के साथ-साथ रीढ़ की हड्डी में हुआ था फ्रैक्चर

लोकतेज संवाददाता

सूरत। लेउवा पटेल समाज के प्रयाग हंसराज भाई घोणिया ने महज 23 साल की उम्र में इस नक्शर संसार को अलविदा कह दिया है। हंसराज के ब्रेन डेर हो जाने पर उनके परिवार ने उसके अंग दान करने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यूनिटी अस्पताल के डॉक्टरों ने सोमवार 15 नवंबर को प्रयाग को ब्रांडेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और अंगदान का महत्व और प्रयाग के परिवार को पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। परिवार ने डोनेट लाइफ के जरिए अपने बेटे का दिल, फेफड़े, किडनी, लीवर और आंखें दान कर सात लोगों को नई जिंदगी दी है। इस पाटीदार परिवार ने समाज को मानवता की एक नई दिशा दिखाई। इस अंगदान में प्रयाग का दिल अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में इलाजरत भुज निवासी एक 29 वर्षीय व्यक्ति को दिया गया। इसके लिए सूरत के यूनिटी अस्पताल से अहमदाबाद तक का 276 किमी की दूरी 110 मिनट में तय किए गया और इसके बाद हृदय प्रत्यारोपण हुआ है। वहीं सूरत से चेन्नई के बांच 1610 किमी की दूरी 210 मिनट में तय करने के बाद फेफड़े का प्रत्यारोपण चेन्नई के



एमजीएम अस्पताल में इलाजरत और मूल सूडान के 23 वर्षीय युवक के लिए हुआ।

सूरत के डिडोली में करडवा गांव के श्री दर्शन रोहाऊस में रहने वाले और ऑनलाइन साड़ी बेचने के कारोबार से जुड़े प्रयाग 7 नवंबर को अपने दोस्तों के साथ मोटरकार में मुंबई से सूरत की यात्रा कर रहे थे जिस दौरान रास्ते में टायर फटने से उनके सिर और रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। इलाज के दौरान ब्रेन हेमरेज के लिए सीटी स्कैन से मस्तिष्क में सूजन और रक्त के थक्के के साथ-साथ रीढ़ की हड्डी में फैक्टर का पता चला। 14 नवंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. धवल पटेल ने क्रैनियोटोमी की और मस्तिष्क की सूजन को दूर किया। इलाज के दौरान डॉक्टरों द्वारा ब्रेन डेर घोषित करने के बाद परिवार ने प्रयाग के अंगों को दान करने के बारे में निर्णय लिया।

आपको बता दें कि साठो द्वारा

अंगदान की प्रक्रिया के दौरान प्रयाग का एक लीवर अहमदाबाद के IKDRC को, एक किडनी अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल को, दूसरी किडनी और दिल अहमदाबाद के सिम्स हॉस्पिटल को दान किया है।

चूंकि देश के विभिन्न प्रत्यारोपण अस्पतालों में बी पॉजिटिव रक्त प्रकार का कोई भी भारतीय रोगी प्रत्यारोपण के लिए तैयार नहीं है, इसलिए हृदजड़ह द्वारा फेफड़ों का आवंटन एमजीएम चेन्नई को स्थगित कर दिया गया है जहाँ एक 23 वर्षीय सूडानी नागरिक को फेफड़ा दिया गया। अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल में अहमदाबाद की 35 वर्षीय महिला का गुर्दा प्रत्यारोपण किया गया। अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में भावनगर की 30 वर्षीय महिला को दुसरे गुर्दा का प्रत्यारोपण किया गया।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ભારકર વિશેષ | ડિડોલીનો યુવક મિત્રો સાથે મુંબઈથી આવતો હતો ત્યારે કાર અક્સમાત નડ્યો હતો 24 વર્ષના બ્રેનડેડ યુવકે 7ને નવું જીવન આપ્યું, બી પોઝિટિવ બ્લાડ ગ્રુપનો કોઈ દર્દીન હોવાથી સુદીનના યુવકમાં ફેફસાં નું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

દેખ્યેલીનેટ, સુરત

ડિડોલીમાં રહેતા પારીદાર સમાજના બ્રેનડેડ યુવકના અંગોનું પરિવારે દાન કરી રહ્યું છે. ભારતમાં બી પોઝિટિવ બ્લાડ ચુપનો કોઈ દર્દીન હોવાથી સુદીના યુવકમાં કેસનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. હુદય સુજનની ચુવતીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. એક કિડની અમદાવાદની મહિલામાં અને બીજી કિડની અમદાવાદની નવેમ્બરના રોજ મુંબઈથી ભાવનગરની મહિલામાં તેમજ લિવર જુનાગઢના ચુવકમાં કરાયું હતું.



ડિડોલી
કરાડવા ગામ
શ્રી દર્શન
ધોલાઉસમાં
રહેતા પ્રયાગ
અંગરાજમાર્ય
પ્રયાગધોલાંથી
ધોલીયા

(૩.૧.૨૪) ઓનલાઈન સારીનો વેપાર કરતા હતા. જ્યારે તેમના પિતા એ. કે. રોડ ખાતે એન્જિનિયરિંગ યુનિટમાં કીટર તરીકે ક્રમ કરે છે. પ્રયાગ ન નવેમ્બરના રોજ મુંબઈથી પોતાના મિત્રો સાથે કરસ્પાન સુરત આવતો હતો. લારે ચારોટી પાસે ટાપુર કાટતા કાર ડિવાઈડ સાથે

ભરાતાની પ્રયાગને માથામાં અને કરોડરજુમાં કીણ થતા કરસાની હોસ્પિટલ બાદ વાપીની હોસ્પિટલ અને ત્યારે બાદ સુરતની પુનિટી હોસ્પિટલમાં ધાપલ કરાયો હતો. જ્યાં તેમને બ્રેન ડેમરેજના કારણે મગજામાં લક્ષણો અસર તેમજ કરોડરજુના મશાળામાં ફેફર થયું હોવાનું નિર્દાન થયું હતું. ૧૫મીએ કેનીયોટોની કરી મગજાનો સોઝે દૂર કરવામાં આવ્યો હતો. ૧૫ નવેમ્બરના રોજ તેમને તથીઓએ કેનેદે જોકરે કર્યું હતા. જેણે જાણ પ્રેનેટ લાઈફની ટીમને થતા હોસ્પિટલ પહોંચી પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ

સુદીના યુવક ચેન્જાઈની હોસ્પિટલમાં હતો

સાઠો દારા લિવર અમદાવાદની આઇકીનારસી હોસ્પિટલને, એક કિડની અમદાવાદની જાપાસ હોસ્પિટલને, બીજી કિડની અને હુદય અમદાવાદની ચીસ્સ હોસ્પિટલને આપ્યું હતું. કેકસાના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે ભારતમાં બી પોઝિટિવ બ્લાડ ચુપનો દર્દી ન મળતા કેકસાની ચેન્જાઈની હોસ્પિટલમાં દાખલ સુદીના 23 વર્ષથી ચુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા હતા.

સમજાવ્યું હતું. પરિવારની સંમતિ ચેન્જાઈની એમજાને હોસ્પિટલમાં બાદ એ કિડની પેકી એક કિડની સુદીના ચુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની ૩૫ વર્ષથી મહિલામાં, કરાયા હતા. હુદય, કેકસાની બીજી કિડની ભાવનગરની ૩૦ અને લિવર સમજસર ચેન્જાઈની વર્ષીય મહિલામાં, લિવર જુનાગઢના અમદાવાદ પલ્લોચાઉન્યા ૩ ચીન ૩૬ વર્ષથી ચુવકમાં, હુદય ભૂજની ૩૬ વર્ષથી ચુવકમાં, હુદય ભૂજની ૨૯ વર્ષથી ચુવકમાં અને કેકસાની પોવિસનો સહકાર મળ્યો હતો.

સુરતમાંથી ઉટ્ટમા હુદય અને ૧૨મા ફેફસાં દાન કરાયું

લેઉવા પટેલ સમાજના ચુવકનાં અંગોના દાનથી સાત વ્યક્તિને નવી જિંદગી મળી

મિત્રો સાથે કારમાં સુરત આવતી વખતે મહારાષ્ટ્રમાં અક્સમાત નડ્યો હતો

| સુચના |

ડિડોલીના લેઉવા પટેલ સમાજના બેઈનડેડ ચુવકનું હુદય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને ચાચુઓના દાનથી સાત વ્યક્તિને નવી જિંદગી મળી છે. બેઈનડેડ ચુવકના પરિવારે પુરુણાં અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ણય લીધો હતો.

ડિડોલી, કરાડવા રોડ સ્થિત શ્રી દર્શન રોડ ધોલાઉસમાં રહેતો પ્રયાગ હંસરાજ ધોલીયા (૩.૧.૨૨) ઓનલાઈન સાડીના વ્યવસાય સાથે સંકળણેલો હતો. ગત તારીખે, જ્યોતિ પ્રયાગ મુંબઈથી મિત્રો સાથે કરસ્પાન સુરત આવી રહ્યો હતો ત્યારે ચારોટી પાસે ટાપુર કાટતા કાર ડિવાઈડ સાથે ભરાતાની પ્રયાગને માથામાં અને કરોડરજુમાં ઠિઝાઓ થઈ હતી. પથમ જારીના સ્થાનિક હોસ્પિટલમાં

જાણો.. દાન કરાયેલા અંગો કર્યાં કોણે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થયાં

દેશની વિધિય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ હોસ્પિટલોમાં આ બલડગ્રૂપનો કોઈ ભારતીય દર્દી દાનસાલાન્ટ માટે તૈયાર નહીં હોવાયો કેકસાની જ્ઞાનગણી હોસ્પિટલમાં દાખલ સુદીનાની નાગરિકતા ધારાત્મા રૂટ વર્ષીય ચુવકને કરાઈ હતી. બંને કિડની પેકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની ૩૫ વર્ષીય મહિલામાં અને બીજુ કિડની ભાવનગરની ૩૦ વર્ષીય મહિલામાં તેમજ લિવર જુનાગઢના ૩૬ વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. હુદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભૂજની ૨૮ વર્ષીય ચુવકીમાં કરાયું છે. આ ચુવકીને જન્મનાં હુદયની તકદીફ હતી.

કરાયા બાદ વધુ સારવાર માટે પરવટ પાર્ટિયાની ચુનિટી હોસ્પિટલમાં બસેડાયો હતો. સારવાર દરમિયાન સીટી સેન કરતા પેરીને હેમરેજને કરસ્પાન મગજામાં સોઝે અને લોહીનો ગજો જામી ગયો હોવાનું હતું. તથીઓએ હોસ્પિટલમાં જાવી પ્રયાગના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું અને પરિવારની સંમતિ બાદ પ્રયાગનું હુદય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને ચાચુદાન કરવાનો નિર્ણય લેવાયો હતો.

" જીતે જી રહ્યાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હુદયદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



લેઉવા પારીદાર સમાજના બ્રેઇનડેડ ૨૩ વર્ષના પ્રયાગ ઘોણીયાના અંગદાનથી સતત વ્યક્તિગતોને નવજીવન મળ્યું છે.

મુળ રાજકોટના બ્રેઇનડેડ યુવાનના અંગદાનથી ઉને નવજીવન લેઉવા પટેલ સમાજના યુવાનનું હદય ભૂજની યુવતીમાં ધબકતું કરાયું

(પ્રાતિનિધિત્વ) સુરત, ગુજરાત
સુરતના ડિડોલીમાં રહેતા લેઉવા
પટેલ સમાજના બ્રેઇનડેડ યુવાનના હદય,
કેદ્યા સહિતના અંગોના દાનથી સતત
વ્યક્તિને નવજીવન અને શેશની મળી છે.
યુવાનનું હદય ભૂજની યુવતીમાં પણકતું
કરાયું છે. જ્યારે યુવાનના દાનમાં મળેલા
કેદ્યા ચેનાઈમાં સુદાનાની નાગરિકના
પરાવતા યુવાન મારે ખાસ વેચે.

મુળ રાજકોટના ગોડલ નાવુંનાના
દેવયોદી ગમના વતની અને સુરતના
ડિડોલીમાં કરાડવા ગમ પાતે શ્રીદર્શન
રો-લાઈસમાં રહેતા લેઉવા પારીદાર
સમાજના હંસરાજભાઈ નાનાછાભાઈ
ઘોણીયાનો ૨૩ વર્ષી પુત્ર પ્રયાગ
અનોનલાઈન સારી વેચાણના વ્યવસાય સાથે
સંક્રામેલો હતો. તા.૭ નવેમ્બરે પ્રયાગ
યિત્રો સાથે મુખ્યાઈ કારામાં સુરત આવતો
હતો ત્યારે ચારોટી પાત્રે ટાપર જાતા
અદ્દસતતમાં માચાંનાં તેમજ કરોડરક્જુમાં
ઈજા થઈ હતી. પ્રયાગ ઘાણી બાબુ સુરતની
ઓસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા. મગજમાં
સોઝો અને લોહીનો ગજો જાણી ગયાનું

૨૩ વર્ષના પ્રયાગ ઘોણીયાના ફેફસા સુદાના યુવાનને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા:
શ્રીન કોરીડોર મારફત હદય ૧૧૦ મિનિટમાં અમદાવાદ પહોંચાડાયું

તેમજ કરોડરક્જુમાં કેકગર થયાનું નિવાન
થયું હતું.

તા.૧૪મીને મગજનો સોઝો હુર કરાયો
હતો પણ તા.૧૫મીને પ્રયાગને બ્રેઇનડેડ
જાહેર કરાયો હતો. જેને પગલે રોનેટ
લાઈફની મેતાના પરિવારને મળી અંગદાન
અંગે સમજાવતા પ્રયાગના પિંડા, માતા

રામાલેન અને અભારની ઉત્તર ગુજરાત

ક્રી.મી હુર ચેનાઈ પહોંચાડી મહો
ઓસ્પિટલમાં સારવાર બેઠા સુદાનાની
નાગરિકના પરાવતા ૨૩ વર્ષના યુવાનને
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા હતા. બી-પોઝિટિવ
બ્લડગ્રૂપનું મારતીપ દરી કોઈ
ઓસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મારે તૈયાર ન
હોવાચી કેદ્યા વિદેશી નાગરિકને મળ્યા
હતા. જ્યારે એક કિડની અમદાવાદી

**ગુજરાતમાં હદયદાનની બાવનમી, ફેફસાના
દાનની ૧૫મી ઘટના: સુરતમાંથી ૪ તે ૮ હદય
અને ૧૨ જોડી ફેફસાનું દાન થયું**

કુંબજોમાં ટી.વાય.બી.કોમસાં અભ્યાસ

ગ્રતા નાના ભાઈ સાવને પ્રયાગના અંગોના
દાનથી અન્યોને નવજીવન મળ્યું હોય
સંમતી આપી હતી. જેને પગલે સુરત
પોલીસની મદદવી ગીણ કોરીડોર ક્રીને
પ્રયાગનું હદય ૧૧૦ મિનિટમાં અમદાવાદ
પહોંચાડી લ્યાન્સી ઓસ્પિટલમાં જન્મજીત

હદયની તકલીફી સારવાર વેતી ભૂજની

૨૮ વર્ષના પુત્રનીમાં પણકતું કરાયું હતું.
જ્યારે કેકના ૨૧૦ મિનિટમાં ૧૫૦૦

ગ્રતા નાના ભાઈ સાવને જ્યારે

શુદ્ધિકરણના ઉદ્દેશને
મદાવાદી ઓસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કરાયા હતા. ચંદુઓનું દાન સુરતની
લોકડાયી બેંક સ્વીકાર્યું હતું.

ગુજરાતમાંથી હદયદાનની આ

બાવનમી અને ફેફસાના દાનની પંદરમી

ઘટના છે. સુરતમાંથી ૨૩ હદયનું અને

૧૨ જોડી ફેફસાનું દાન મળ્યું છે.

" જીતે જી રહ્યાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદયદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

દિંડોલીના યુવકના અંગદાનથી ઉને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા. ૧૭

સુરતના દિંડોલીના પ્રયાગ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કેન્દ્રાભાઈ ઘોણોયા (૩.૭.૨૩)ના પરિવારે હેનેટ લાઈફના માધ્યમથી પોતાના હૃડય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને ચબુઝોનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બન્ને માનવતાની મહેક હેલ્પાવી સમાજને નવી હિસા બતાવી છે. ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુદાનની નાગરિકતા ધરાવતા ૨૩ વર્ષથી યુવકમાં ચેતની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. અને ઉલ્લેખનિય છે



કે, ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની બાવનમી ઓનલાઈન સાડી વેચાણના વ્યવસ્થા અને કેફસાના દાનની ૧૫મી ઘટના છે. આથે સંકાયેલા પ્રયાગ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના દિંડોલીમાં રહેતો અને

• અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

અકસ્માતમાં બ્રેઇનડેડ બનેલા પ્રયાગ ઘોણિયાનાં હૃદય, ફેફસાં, કિડની, લિવર અને આંખોનું દાન; ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુદાનની નાગરિકતા ધરાવતા યુવકમાં કરવામાં આવ્યું

દિંડોલીના યુવકના...

ઘોણિયા ગત ઉમ્મી નવેમ્બરના રોજ મુંબઈથી પોતાના મિત્રો સાથે કારમાં સુરત આવી રહ્યો હતો. ત્યારે ચારોટી પાસે ટાયર ફાટા કાર ડિવાઈડર સાથે અથડાતા સરજાયેલા અકસ્માતમાં પ્રયાગ ઘોણિયાને માથામાં અને કરોડરજીજુમાં ઈજાઓ પહોંચી હતી. ૧૫મી નવેમ્બરના રોજ યુનિટી હોસ્પિટલના ડેક્ટરોએ પ્રયાગને બ્રેઇનડેડ જાહેર કરતા હેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી પ્રયાગના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી.

લિવર અમદાવાદ, એક કિડની અમદાવાદ, બીજી કિડની અને હૃદય અમદાવાદમાં મોકલવામાં આવ્યું હતું. દેશના વિવિધ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ હોસ્પિટલોમાં B+ve બ્લડગ્રૂપનું કોઈ ભારતીય દર્દી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે તૈયાર ન હોવાને કારણે ફેફસાની શાળવણી ચેતનીની અમલુચેમ હોસ્પિટલમાં સારવાર લઈ રહેલ સુદાનની નાગરિકતા ધરાવતા ૨૩ વર્ષથી યુવકને કરવામાં આવી હતી. દાનમાં મળવવામાં આવેલી બંને કિડની પૈકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની રહેવાસી ૩૫ વર્ષથી મહિલામાં, બીજી

કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભાવનગરની રહેવાસી ૩૦ વર્ષથી મહિલામાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જુનાગઢના રહેવાસી ૩૬ વર્ષથી વ્યક્તિમાં, હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભુજની રહેવાસી ૨૯ વર્ષથી યુવતીમાં કરવામાં આવ્યું છે. આ યુવતીને જમ્માની હૃદયની તકલીફ હતી. ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુદાનની નાગરિકતા ધરાવતા ૨૩ વર્ષથી યુવકમાં ચેતની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

ત્રણ ગ્રીન કોરીડોર

બનાવવામાં આવ્યા

હૃદય, ફેફસાં, કિડની અને લિવર સમયસર ચેક્ષણ અને અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે ત્રણ ગ્રીન કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યા હતા. જેમાં સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર સાંપર્ક્યો હતો. નોંધનીય છે કે હૃદય અને ફેફસાં સમયસર સુરતથી હવાઈમાર્ગ દેશના જુદા-જુદા શહેરો જેવા કે ઇલ્હી, મુલાઈ, ચેક્ષણ, જેગલોર, કલકટા, હૈદરાબાદ, ઇન્ડોર અને અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે સુરત શહેરમાં ૫૦મો ગ્રીન કોરીડોર સુરત પોલીસ હારા બનાવવામાં આવ્યો હતો.

"જીતે જી રહ્યાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



ઓર્ગન ડોનેશન: સુરતના સાડીના વેપારીનું હૃદય હવે ભુજની યુવતીના શરીરમાં ધબક્ષે

23 વર્ષિય પ્રયાગ ઘોણીયાનું સુરત આવતા સમયે કારનું ટાયર ફાટી જતાં અકર્માતમાં ઘણ બાદ મોત નીપજયું હતું

પ્રયાગનાં અલગ અલગ અંગોને સાત વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યાં

સુરત : ડાયમંડ સિટી બાદ હવે ઓર્ગન ડોનર શહેર સુરતમાં સાડીના વેપારીનું અકર્માતમાં મોત થતાં તેના અંગોનું દાન કરાયું હતું. સાડીના આ વેપારીનું હૃદય હવે ભુજની યુવતીમાં ધબક્ષે. જ્યારે તેમના ફેફસાને ચેક્ષણની હોસ્પિટલમાં દાખલ એક યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

આ કેસની વિગત મુજબ શ્રી દર્શન રો હાઉસ, કરડવા ગામ, ડિડોલી મુજામે રહેતો અને ઓનલાઈન સાડી વેચાણના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલો પ્રયાગ હુંસરાજભાઈ ઘોણીયા તા.જ નવેમ્બરના રોજ મુંબઈથી પોતાના મિત્રો સાથે મોટરકારમાં સુરત આવી રહ્યો હતો. ત્યારે ચારોટી પાસે ટાયર ફાટતાં અકર્માત થયો હતો. પ્રયાગને માથામાં તેમજ કરોડરાજ્ઞુમાં ગંભીર ઘણ થઈ હતી. આથી તેને નજીકની હોસ્પિટલ બાદ સુરતની પ્રાઇવેટ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યો હતો. અહીં ટૂંકી સારવાર બાદ પ્રયાગનું મોત નીપજયું હતું. ડોક્ટરોએ પ્રયાગને બેધનકેડ જાહેર કર્યો હતો. સુરતની સામાજિક સંસ્થા ડોનેટ લાઇફ

દ્વારા પ્રયાગના માતા-પિતાને શરીરનાં અંગો ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવા સમજાવાચ્ચાં હતાં. બીજુ તરફ પ્રયાગના ઘરના સભ્યો પણ અંગદાનના સમાચાર સાંભળતા હોવાથી તેમને અંગદાન કરવાની પ્રેરણ મળી હતી. અને તેમણે પ્રયાગના હૃદય, ફેફસાની, કિડની, લિવર અને ચ્યાલ્ફ્ટોનું દાન કરવાની સંમતિ આપી હતી. પ્રયાગનાં આ તમામ અંગો અન્ય સાત વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા. જેમાંથી હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભુજની રહેવાસી રદ વર્ષીય યુવતીમાં અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. બંને કિડની પૈકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની રહેવાસી ઉપ વર્ષીય મહિલામાં અમદાવાદની ઝાયડસ હોસ્પિટલમાં, બીજુ કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભાવનગરની રહેવાસી ત૦ વર્ષીય મહિલામાં અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જૂનાગઢના રહેવાસી ત૬ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં, આ યુવતીને જમજાત હૃદયની તકલીફ હતી. ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુદાનની નાગરિકતા ધરાવતા ર૩ વર્ષીય યુવકમાં ચેક્ષણાંની રોમજીએમ હોસ્પિટલમાં આવ્યું છે.

અશ્રે ઉત્સેખનીય છે કે, ડોનેટ લાઇફ દ્વારા સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ૪૧૨ કિડની, ૧૭૫ લિવર, ૮ પેન્કીઆસ, ૩૮ હૃદય, ૨૪ ફેફસાની અને ૩૧૬ ચ્યાલ્ફ્ટો સહિત કુલ ૮૭૩ અંગ અને ટીસ્યુઓ તેમજ બે હાથનું દાન મેળવીને ૮૮૧ વ્યક્તિને નવું જીવન અને નવી દૃષ્ટિ બદ્ધાંગમાં સફળતા મળી છે.



૨૩ વર્ષનો પાટીદાર દીકરો બ્રેનડેડ થતા, પરિવારે હદ્ય, કેફસાં સહિત પાંચ અંગોનું દાન કર્યું



સુરત, તા. ૧૭

લેઉવા પટેલ સમાજના બેન્ડેડ પ્રયાગહંસરાજભાઈ ઘોણીય માત્ર ૨૩ વર્ષનો છે. જેનાં હેઠળ તેડ થતા પરિવારે તેનાં અંગો ડોનેટ કરવાનો ઘણો ૪ મહિનાનો નિષ્ણય લીધો છે. અને ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી પોતાનાં ખાલસોયા દીકરાના હદ્ય, કેફસાં, કિડની, લિવર અને ચુકુઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું છે. આ પાટીદાર પરિવારે માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી. સુરતની યુનિટી હોસ્પિટલથી અમદાવાદનું ૨૭૬ ડિ.મીનું અંતર ૧૧૦

મીનીટમાં કાપીને હદ્યનું ટ્રાન્સપલાન્ટ મુજજી રહેવાસી ૨૮ વર્ષીય યુવતીમાં અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

ચેન્નઈનું ૧૬૧૦ ડિ.મી.નું અંતર ૨૧૦ મીનીટમાં કાપીને કેફસાનું ટ્રાન્સપલાન્ટ સુદૂની નાગરિકતા પરાવતા ૨૩ વર્ષીય યુવકમાં ચેન્નઈની સ્વસ્થ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. સોમવાર, ૧૫ નવેમ્બરના રોજ યુનિટી હોસ્પિટલના ડોક્ટરોએ પ્રયાગને બ્રેનડેડ જાહેર કરતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પદોંચી પ્રયાગના પરિવારજનોને

અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી.

શ્રી દર્શન રોહાઉસ, કરદવા ગામ, ડીડોલી મુકામે રહેતો અને ઓનલાઈન સાડી વેચાણના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલો પ્રયાગ તા. ૭ નવેમ્બરના રોજ મુંબઈથી પોતાના મિત્રો સાથે માટરકારમાં સુરત આવી રહ્યો હતો ત્યારે ચારોટી પાસે ટાયર કાટતા મોટરકાર રીવાઈડર સાથે અથડાતા પ્રયાગને માથામાં અને કરોડરક્ફુમાં ઈજાઓ થવાથી કાસામાં આવેલ સખ ડીસ્ક્રીક્ટ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વાપીની હરિયા હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી વધુ સારવાર માટે

સુરતની યુનિટી હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોસર્જન ડો. ધ્વલ પટેલની સારવાર હેઠળ દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી. નિદાન માટે રીતીસી સ્કેન કરવાના બ્રેઇન હેમદેઝને કારણે મગજમાં સોજો અને લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું તેમજ કરોડરક્ફુમાં માલકામાં ડેક્ચર થયું હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ પ્રયાગની તબિયત વધુ ગંભીર થતા સ્ટેરીટેક્સિટી મગજમાં લકવાની અસર જવાના તા. ૧૪ નવેમ્બરના રોજ ન્યૂરોસર્જન ડો. ધ્વલ પટેલે કે નીચોટો મી કરી મગજનો સોજો દુર કર્યો હતો.

પ્રયાગનાં પિતાશ્રી હસરાજભાઈ અને માતા રમાબેને જણાયું કે બનવાકાળ જે બનવાનું હતું તે બની ગયું છે, અમારો દીકરો બેઈનડેડથે અને તેનું મૂલ્ય નિશ્ચિત જ છે ત્યારે શરીર તો બળીને રાખ જ થઈ જવાનું છે ત્યારે તેના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ફળતાના હતી.

દીઓને નવું જીવન મળતું હોય તો અંગદાન માટે આપ આગળ વધો. વધુમાં તેઓએ જણાયું કે અમે વારંવાર વર્તમાન પત્રોમાં અંગદાનના સમાચારો વાંચીએ છીએ. આ એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે. પ્રયાગનો ભાઈ સાવન જે.રી.રી.રી. માં અભ્યાસ કરેછે.

શ્રી દ્વારા લિવર અમદાવાદની લાઈફને, એક કિડની અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલને, બીજી કિડની અને હદ્ય અમદાવાદની સીન્સ હોસ્પિટલને કાળવવામાં આવ્યું છે. દેશની વિવિધ ટ્રાન્સપલાન્ટ હોસ્પિટલોમાં ન્યૂ બ્લડશ્રૂપનું કોઈ ભારતીય દાઈ ટ્રાન્સપલાન્ટ માટે ત્યાર ના હોવાને કરાકો દ્વારા કેફસાંની કાળવદી ચેંગાઈની એમ.જી.એમ. હોસ્પિટલમાં સારવાર લઈ રહેલ સુદૂનની નાગરિકતા પરાવતા ૨૩ વર્ષીય યુવકને કરવામાં આવી હતી.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ટેકસટાઇલ અને કાયમંડ સિટી સુરત શહેરની હવે અંગદાન સિટી તરીકે પણ ઓળખ

સુરતનાં યુવાનનાં ફેફસાં સુદાનની હવામાંથી શાસ ભરશે

સાડીના વેપારીના અંગો દાન કરાતા
સાત લોકોને નવજીવન મળ્યું

યુવાનનું હૃદય ભુજની ર૧
વર્ષીય યુવતીમાં ઘબકતું રહેશે

ફેફસા સુદાનનાં યુવાનનાં
શરીરમાં ટ્રાન્સ્પલાન્ટ કરાયા

ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાનાં નિલેશ માંડલેવાલા અને
તેમની ટીમનું પૃથ્વી એક સફળ 'ઓપરેશન'

અંગો સમયસર પહોંચાડવા માટે ત્રણ ગ્રીન કોરીડોર બનાવાયા

પ્રયાગના અંગો હૃદય, ફેફસાં, ડિડની અને લિવર
સમયસર ચેસાઈ અને અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે
ત્રણ ગ્રીન કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યા હતા. જેમાં
સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યાના વિવિધ શહેર
અને ગ્રામ્ય પોલીસે પૂછ મદદ કરી હતી.



માંડલેવાલા અને તેમની ટીમે હોસ્પિટલ પર્લીચી
પ્રયાગના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ
અને તેઓ સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી.

પ્રયાગના પિતા દંસરાજ અને માતા
રમાબેને ડોનેટ બાઈકને જાણાયું હતું કે,
અમારો દીકરો બ્રેન્ટનેડ છે અને તેનું મુશ્કેલીનું
નું નિશ્ચિન જ છે. શરીર નો બ્યાંગેન રાખ જ
થઈ જાનું છે ત્યારે તેઓ અંગેના દાન થકી
ઓર્ગન નિશ્ચાળતાના દર્દીઓને નવું જીવન
મળતું હોય તો અંગદાન માટે મંજૂરી છે. ડોનેટ
લાઈફ દ્વારા યુવાનના અંગોનું દાન કરવાનાં
આવ્યું હતું. પરિવાર દ્વારા પ્રયાગના હૃદય,
ડિડની, લિવર, ફેફસાં અને ચાળુઓનું દાન
કરવામાં આવ્યું હતું. જેના પગલે SOTTO
દારા લિવર અમદાવાદની IKDRCને, એક
ડિડની અમદાવાદની જ્યાપડસ હોસ્પિટલને,
બીજી ડિડની અને હૃદય અમદાવાદની સીનીસ
હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યું હતું. દેશની
વિવિધ ટ્રાન્સ્પલાન્ટ હોસ્પિટલોમાં B ve

બ્લડગ્રૂપનું કોઈ ભારતીય દર્દી ટ્રાન્સ્પલાન્ટ
માટે તૈયાર ના હોવાને કારણે NOTTO દ્વારા
ફેફસાંની ફાળવણી ચેતાઈની એમ.જી.એમ.
હોસ્પિટલમાં સારવાર લઈ રહેલ સુદાનની
નાગરિકતા પરાવતા ૨૩ વર્ષીય યુવકને
કરવામાં આવી હતી.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને ડિડની
પેટી એક ડિડનીનું ટ્રાન્સ્પલાન્ટ અમદાવાદની
રહેવાસી ત્રપ વર્ષીય મહિલાઓમાં અમદાવાદની
હોસ્પિટલમાં, બીજી ડિડનીનું ટ્રાન્સ્પલાન્ટ
ભાવનગરની રહેવાસી ત૦ વર્ષીય મહિલાઓમાં,
લિવરનું ટ્રાન્સ્પલાન્ટ જુનાગઢના રહેવાસી ત૩૬
વર્ષીય વ્યક્તિમાં, હૃદયનું ટ્રાન્સ્પલાન્ટ ભુજની
રહેવાસી રદ્દ વર્ષીય યુવતીમાં અમદાવાદની
આનગી હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.
આ યુવતીને જમભળ હૃદયની તકલીફ હતી.
ફેફસાંનું ટ્રાન્સ્પલાન્ટ સુદાનની નાગરિકતા
પરાવતા ૨૩ વર્ષીય યુવકમાં ચેતાઈની સર્વ
હોસ્પિટલમાં આવ્યું છે.



સુરત, તા. ૧૭

મુખ્યમંત્રીની સુરત પરન આવતી વેણું
મહારાષ્ટ્રના ચારોટી પાસે કારનું ટાયર
ફેફસાંની પટનામાં બેઈનડેડ જોડેર કરાયેલા
સારીના વેપારીના અંગોનું પરિવારે દાન કરી
અન્ય રીત્યારીનોને નવજીવન આવ્યું છે.
યુવાન વેપારીનું હૃદય ભુજની ર૧ વર્ષીય
યુવતીમાં પથકતું રહેશે ફેફસાં સુદાનનાં
યુવાનમાં ટ્રાન્સ્પલાન્ટ કરવામાં આવતાં હવે
સુદાનની હવામાંથી શાસ ભરશે.

પ્રાપ્ત વિગતો મુજબ મુજબ રાજકોટ કિલ્લાના
ગોડલ તાલુકાના દાવચી જામના વનની અને
લાલ ડિઝોલ કરાયા જામ તરકના રોડ પર શ્રી
દર્શન રોડ અંસરમાં રહેતો ૨૪ વર્ષીય પ્રયાગ
દર્શાનાંથી પોણીય દાલ ઓનલાઈન
સાડી વેચાણના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલો

હતો. પ્રયાગ જન તા. ૭ નવેમ્બરનાં રોજ
મુખ્યમંત્રીની પોતાના મિત્રો સાથે કરમાં સુરત
આવી રહ્યો હતો ત્યારે મહારાષ્ટ્રના ચારોટી
પાસે કારનું ટાયર કારના મોટરકાર દીવાઈડર
સાથે અથડાઈને પલ્ટી ગઈ હતી. આ ઘટનામાં
પ્રયાગને માથામાં અને કરોડરહજુમાં દીજાઓની
યથાવી સુરતની યુનિટી હોસ્પિટલમાંના
નુરોસાર્ફન ડૉ. પટેલની સારવાર હેડળ
દાખલ કરી સારવાર શરે કરવામાં આવી.
નિદાન માટે સિટીસ્કેન કરવાના બેઈન
દેમરેજને કારણે મગજમાં સોણો અને લોઈનો
ગઢો જામી ગયો હોવાનું તેમજ કરોડરહજુના
મધ્યકામાં ફેફસાં વધ્યું હોવાનું નિદાન વધ્યું હતું.
જન સોમવારના રોજ યુનિટી હોસ્પિટલના
ડોક્ટરોઓ પ્રયાગને બેઈનડેડ જોડેર કરતા
ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાન સ્વાપક નિલેશ

" જીતે જી રત્નાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



રૂત વધીય બ્રેઇનડેડ યુવકના અંગોથી સાતને નવજીવન મળ્યું

સુરત. ટેલ્ટાઈબ અને ગ્રામેડ સિટી તરીકે ઓળખાનું સુરત શહેર હવે દેશમાં ઓર્ગન એન્સ શહેર તરીકે ખ્યાતી પામી રહ્યું છે. સુરતના બ્રેઇનડેડ પ્રયાગ હંસરાજભાઈ ઘોણીયા (૩.૨.૨૩)ના પરિવારે એનેટ લાઈફના માધ્યમથી પોતાના હૃતસ્વોય દીકરાના હૃદય, કેક્સાં, કિડની, લિવર અને ચુલ્હાઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બન્ધી માનવતાની મહકે હેલાવી સમાજને નવી હિસા જાતાવી છે. કેક્સાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુદાનની નાગરિકતા પરાવતા ૨૩ વધીય યુવકમાં ચેનાઈની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. કેંદ્રી સુરતના કેક્સાં સુદાનની હવામાં શાસ ભરશે. અને ડેલ્વલબનિય છે કે, શુદ્ધયતમાંથી હૃદયદાનની બાવનમી અને કેક્સાંના દાનની પંદરમી ઘટના છે.

સુરત શહેરના હોસ્પિટલમાં રહેતો અને ઓન્લાઈન સાડી વેચાણના વ્યવસાય સાથે સંકલાપેલો પ્રયાગ ઉન્નતે નવેન્દ્રના રોજ મુખીથી પોતાના મિત્રો સાવે કરમાં સુરત આવી રહ્યો હતો. તારે ચારોટી પાસે ટાપર કાટતા કર ડિવાઈદર સાથે અથડાતા પ્રયાગને માધ્યમાં અને ક્રોનિકજીર્ઝમાં ઈજાઓ થવાથી આસમાં આવેલ સબ રીસ્ટ્રિક્ટ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વાપીની હરિયા



હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી વધુ સારવાર માટે સુરતના યુનિટી હોસ્પિટલમાં સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી. નિદાન માટે સીટી સેન કરાવતા બ્રેઇન હેમરેજને કરારો મગજમાં સોજો અને લોહીનો ગડો જામી ગયો હોવાનું તેમજ ક્રોનિકજીર્ઝના મશકામાં ફેફયર થયું હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ પ્રયાગની તબિયત વધુ ગંભીર થતા એમનારાયાઈ કરાવતા મગજમાં લક્ષણાની અસર જગતા ૧૪ નવેન્દ્રના રોજ કેનીયોટોભી કરી મગજનો સોજો દુર કર્યો હતો. ૧૫ નવેન્દ્રના રોજ યુનિટી હોસ્પિટલના એકટરોને પ્રયાગને બ્રેઇનડેડ જહેર કરતા એનેટ લાઈફની ટિમ હોસ્પિટલ પહોંચી પ્રયાગના અમદાવાદ, બીજી કિડની અને હૃદય

પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્રે પ્રક્રિયા સમજાવી હતી.

પ્રયાગના પિતા હંસરાજભાઈ અને માતા રમાબેને જીવાયું કે બનવાકાણ જે બનવાનું હતું તે બની રહ્યું છે, અમારો દીકરો બ્રેઇનડેડ છે અને તેનું મુત્યુ નિશ્ચિત જ છે ત્યારે શરીર તો બળીને ચાખ જ વહી જવાનું છે ત્યારે તેના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ઠણતાના દર્દીઓને નવું જીવન મળતું હોય તો અંગદાન માટે સમર્પિત આપીએ છીએ.. વધુમાં તેઓએ જીવાયું કે અમે વારેવાર અંગદાનના સમાચારો વાંચીએ છીએ. આ એક હંદરીય કાય છ.

લિવર અમદાવાદ, એક કિડની અમદાવાદ, બીજી કિડની અને હૃદય

૧૬૧૦ કિ.મી. અંતર
કાપીને ૨૧૦
મિલિટરી ફેફસાં
ચેન્નાઈ પહોંચાડાયા,
સુદાનના નાગરિકમાં
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થયું

અમદાવાદમાં મોકલવામાં આવ્યું હતું દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બને કિડની પેટી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની રહેવાસી ત્ય વર્ષથી મહિલામાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બાવનગરની રહેવાસી ૩૦ વર્ષથી મહિલામાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જુનાગઢના રહેવાસી ત્ય વર્ષથી બ્લેક્ટમાં, હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભુજની રહેવાસી રૂટ વર્ષથી યુવતીમાં કરવામાં આવ્યું છે. આ યુવતીને જન્માત હૃદયની તકલીફ હતી. કેક્સાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુદાનની નાગરિકતા પરાવતા ૨૩ વર્ષથી યુવકમાં ચેનાઈની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની બાવનમી અને કેક્સાંના દાનની પદરમી ઘટના છે. જેમાં સુરતમાંથી એનેટ લાઈફ દ્વારા આડાનીસ હૃદય દાન અને ૧૨ જોડ કેક્સાં દાન કરાવવામાં આવ્યા છે. સુરતથી દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદય અને કેક્સાં દેશના જુદા જુદા શહેરો જેવા કે હિલલી, મુખાઈ, ચેનાઈ, નેંબોર, કલકતા, દેદરાબાદ, ઈન્ડોર અને અમદાવાદ જીવા શહેરોમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે. તદુપરાંત અંગદાનના બેત્રમાં સુરતે આંતરરાષ્ટ્રીય સત્રે પણ પોતાની અલગ આગામ ઉભી કરી છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 16th November, 2021

412
KIDNEY
175
LIVER
8
PANCREAS
38
HEART
24
LUNGS
316
CORNEA
2
Hand

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

Total **973** Organs & Tissues donated which has given
New Life & Vision to **891** persons across Country & Globe.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."